

Fourteenth Loksabha**Session : 4****Date : 21-03-2005****Participants : [Athawale Shri Ramdas](#)**

>

Title: Need to rehabilitate and grant citizenship rights to Bangladeshi refugees.

श्री रामदास आठवले : अध्यक्ष महोदय, भारत और पाकिस्तान का पार्टीशन होने से पहले हमारे देश में ईस्ट बंगाल और वैस्ट बंगाल भी थे। 15 अगस्त, 1947 को पार्टीशन हुआ और जो हिन्दू कम्युनिटी के लोग थे, वे काफी संख्या इंडिया में, वैस्ट बंगाल में भी आए। शेड्यूल्ड कास्ट्स के भी काफी लोग भारत-पाक युद्ध के बाद 1971 में भारत में आए क्योंकि उन्हें बांगलादेश में काफी तकलीफें होती थीं। हिन्दू धर्म के लोगों के लिए भारत और मुस्लिम धर्म के लोगों के लिए पाकिस्तान बँखईएँ[[rpm27](#)]। 1971 के बाद आने वाले जो लोग हैं और जो वेस्ट बंगाल में रहते हैं, ये कम से कम 30 लाख से ऊपर हैं। इनमें नमोशूद्र, क्रिश्चियन कम्युनिटी के हैं और बुद्धिस्ट भी हैं।

मेरी भारत सरकार से मांग है कि जो लोग भारत में ईमानदारी के साथ रहना चाहते हैं, अगर वे लोग बंगलादेश जाते हैं तो बंगला गवर्नमेंट का कहना है कि आप लोग इधर के नहीं हैं। इसलिए मेरा निवेदन है कि इन 30 लाख लोगों को यहां की नागरिकता मिलनी चाहिए और जो कट ऑफ डेट 71 की है, उसे दूर करना चाहिए। मैं प्रधानमंत्री जी और गृह मंत्री जी से भी मिला हूँ, उन्होंने आश्वासन दिया है, मगर जल्दी से जल्दी इन 30 लाख लोगों को सिटिजनशिप मिलनी चाहिए।... (ब्यवधान)

MR. SPEAKER: Hon. Members, 25 Members raised Matters of Urgent Public Importance.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: This is very unfortunate. Shri P. Mohan, I am trying to help you. I am only saying that those hon. Members whose names I could not call today, may please give their fresh notices tomorrow.

... (Interruptions)

SHRI P. MOHAN (MADURAI): Yesterday also I gave the notice. But, today, you did not call me. ... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Therefore, you think that the Chair is against you.

... (Interruptions)

SHRI P. MOHAN : No, Sir, ... (Interruptions)

MR. SPEAKER: That is why, I am requesting you to give another notice tomorrow. I shall accommodate you.

... (Interruptions)

